ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–26
दिनांक– शुक्रवार, 05 अप्रैल, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.1 एवं 18.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 76 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 32 प्रतिशत, हवा की औसत गति 10.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 7.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 9.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 22.5 एवं दोपहर में 35.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(06–10 अप्रैल, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 06–10 अप्रैल, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि मे आसमान में हल्के बादल छाए रह सकते है तथा मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है। हालांकि 09–10 अप्रैल के बीच उत्तर बिहार के जिलों जैसे बेगुसराई, वैशाली, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा या बूंदा बूंदी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 37 से 40 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 21 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 11 से 14 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 65 से 75 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- किसानों को सलाह दी जाती है कि 9–10 अप्रैल के आसपास उत्तर बिहार के कुछ जिलों जैसे बेगुसराई, वैशाली, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण जिलों में हल्की हल्की बूंदा–बूंदी की संभावना को देखते हुए कृषि कार्यो में सर्तकता बरतने की आवश्यकता है। तैयार फसलों की कटनी तथा सुखाने का काम सावधानी पूर्वक करें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई प्राथमिकता देकर 10 अप्रैल तक सम्पन्न करें। खेत की जुताई में 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30–35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30X10 से0मी0 रखें।
- भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट की निगरानी करें। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। हरे रंग के छोटे कीट शिषु व प्रौढ दोनो भिण्डी की पत्तियों के निचले हिस्से में रहते है और रस चुसते है जिसके फलस्वरूप पत्तियॉ किनारे से पिली होकर सिकुड़ती है तथा प्यालानुमा आकार बनाकर धीरे धीरे सुखने लगती है। फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- प्याज फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करें। थ्रिप्स प्याज को नुकसान पहुँचानेवाला मुख्य कीट है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा यह पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों पर दाग दिखाई देते है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। थ्रीप्स की संख्या अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- लाल भृंग कीट से लत्तीदार सब्जियों की फसल को काफी नुकसान होता है। इस कीट के पीठ का रंग नारंगी लाल तथा अधर भाग का रंग काला होता है। इसके शिशु फसल की जड़ को तथा व्यस्क पत्तियों एवं फुलों को हानी पहुचाते है। इससे बचाव के लिए डाइक्लोरवॉस 76 इ0सी0 का 1 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से घोलकर छिड़काव करे।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की बुआई अविलंब संपन्न करें। बिगत माह बोयी गई सब्जियों की फसल में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट की निगरानी करें। कीट का प्रकोप फसल में दिखने पर मैलाथियान 50 ई0सी0 या डाइमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- आम में मटर के दाने के बराबर फल लग चुके है। इस अवस्था में इमिडाक्लोरप्रीड (17.8 एस0एल0)/1 मि0ली0 दवा प्रति 2 लीटर पानी में और हैक्साकोनाजोल 1 ग्राम/2 लीटर पानी या डाइनोकैप (46 ई0सी0) 1 मिली दवा प्रति 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़कने से मधुवा एवं चूर्णिल आसिता की उग्रता में कमी आती है। प्लेनोफिक्स नामक दवा/1 मिली प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से फल के गिरने में कमी आती है।
- खरीफ की चारा फसल के लिए एम0पी0 चरी, मल्टीकट ज्वार, कोहवा ज्वार की किस्में लगाना शुरु करें। ज्वार एवं मक्का के साथ मैंथ या लोबिया की दलहनी चारा फसल भी लगायें। वहुवर्षीय चारा फसल जैसे हाइब्रीड नेपीयर एवं गिनिया घास लगाने के लिए मौसम अनुकूल है। इन चारा फसलों की बुआई करें

आज का अधिकतम तापमानः 37.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.0 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 19.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य तापमान के बराबर

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)